

अध्याय - 4 | चुम्बकों को जानें

QUIZ
PART-04

1. दो समान ध्रुव पास लाने पर क्या होता है?

- A. आकर्षण
- B. प्रतिकर्षण
- C. पिघलना
- D. टूटना (B)

व्याख्या: चुम्बक के समान ध्रुव एक-दूसरे को प्रतिकर्षित करते हैं।

2. दो विपरीत ध्रुव पास लाने पर क्या होता है?

- A. आकर्षण
- B. प्रतिकर्षण
- C. कोई प्रभाव नहीं
- D. दोनों अचुम्बकीय हो जाते हैं (A)

व्याख्या: चुम्बक के विपरीत ध्रुव एक-दूसरे को आकर्षित करते हैं।

3. दक्षिणी ध्रुव को दक्षिणी ध्रुव के पास लाने पर क्या होगा?

- A. आकर्षण
- B. प्रतिकर्षण
- C. चुम्बक गायब हो जाएगा
- D. दिशा बदल जाएगी (B)

व्याख्या: समान ध्रुव होने के कारण दोनों ध्रुव एक-दूसरे को दूर धकेलेंगे।

4. दक्षिणी ध्रुव को उत्तरी ध्रुव के पास लाने पर क्या होगा?

- A. प्रतिकर्षण
- B. आकर्षण
- C. कोई प्रभाव नहीं
- D. दोनों टूट जाएंगे (B)

व्याख्या: दक्षिणी और उत्तरी ध्रुव विपरीत ध्रुव हैं, इसलिए वे आकर्षित होंगे।

5. लोहे की छड़ को चुम्बक के किसी भी ध्रुव के पास लाने पर क्या होता है?

- A. वह आकर्षित होती है
- B. वह हमेशा दूर भागती है
- C. वह पिघलती है
- D. वह काँच बन जाती है (A)

व्याख्या: लोहे की छड़ चुम्बक की ओर आकर्षित होती है।

6. लोहे की छड़ और चुम्बक में मुख्य अंतर पहचानने में क्या मदद करता है?

- A. रंग
- B. प्रतिकर्षण
- C. वजन
- D. लंबाई (B)

व्याख्या: दो चुम्बकों के समान ध्रुवों में प्रतिकर्षण होता है, पर लोहे की छड़ चुम्बक से केवल आकर्षित होती है।

7. चुम्बक के समान ध्रुवों के बीच कौन-सा बल कार्य करता है?

- A. आकर्षण बल
- B. प्रतिकर्षण बल
- C. गुरुत्वहीन बल
- D. कोई बल नहीं (B)

व्याख्या: समान ध्रुव एक-दूसरे को दूर धकेलते हैं।

8. चुम्बक के विपरीत ध्रुवों के बीच कौन-सा बल कार्य करता है?

- A. आकर्षण बल
- B. प्रतिकर्षण बल
- C. घर्षण बल
- D. ध्वनि बल (A)

व्याख्या: विपरीत ध्रुव एक-दूसरे को खींचते हैं।

9. यदि चुम्बक की सुई का उत्तरी ध्रुव दूसरे चुम्बक के उत्तरी ध्रुव से दूर हटे, तो यह क्या दर्शाता है?

- A. आकर्षण
- B. प्रतिकर्षण
- C. चुम्बक टूट गया
- D. सुई अचुम्बकीय है (B)

व्याख्या: उत्तरी-उत्तरी ध्रुव समान हैं, इसलिए प्रतिकर्षण होता है।

10. चुम्बकों के बीच आकर्षण और प्रतिकर्षण किस पर निर्भर करता है?

- A. ध्रुवों के प्रकार पर
- B. चुम्बक के रंग पर
- C. मेज की ऊँचाई पर
- D. चुम्बक की आवाज़ पर (A)

व्याख्या: समान ध्रुव प्रतिकर्षित और विपरीत ध्रुव आकर्षित करते हैं।